"विद्यार्थियों में असीमित क्षमताएं, गुरुओं को पहचानना होगा"

श्री गंगा शंकर मिश्र

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में आयोजित सात दिवसीय शिविर 'राष्ट्रीय सेवा योजना' का समापन 20 अप्रैल 2022 को हुआ। इस अवसर पर नागरिकों के मूल्य, अधिकार, कर्तव्य एवं दायित्व पर एक वक्तव्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय श्री गंगा शंकर मिश्र जी व प्राचार्य महोदय डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता द्वारा मां सरस्वती के माल्यार्पण एवं दीप-प्रज्वलन से किया गया। प्राचार्य महोदय ने अपने भाषण में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास का पूर्ण मंच है। जहाँ छात्र-छात्राओं का चहुमुखी विकास होता है। उन्होंने कहा की समाज के प्रति हमारे अधिकारों के साथ हमारे कुछ कर्तव्य और दायित्व भी है।

मुख्य अतिथि ने अपने संभाषण में समाज में गिरते मूल्यों पर शोक जताया और कहा कि शिक्षा-संस्थान और एन.एस.एस. जैसे संस्थान फिर से अच्छे मूल्यों का संचार युवाओं के माध्यम से पूरे देश और पूरे विश्व में कर सकते हैं। मौलिक दायित्व के अतिरिक्त एक शिक्षक के अन्य दायित्व भी होते हैं जो एक विद्यार्थी में ईमानदारी, देश-भक्ति और समाज-सेवा जैसी भावनाओं को जगाने के लिए आवश्यक है। 'सत्य परेशान हो सकता है किंतु पराजित नहीं' और इन्हीं शब्दों के साथ विद्यार्थियों को इमानदारी के पथ पर चलने का भी संदेश दिया।

उन्होंने कहा केवल अपने अधिकारों को नहीं अपितु अपने कर्तव्य और दायित्व का भी बखूबी निर्वाह करें तभी हम भारत को विश्व गुरु की संज्ञा दिलवा पाएंगे। मुख्य अतिथि ने महाविद्यालय के प्राचार्य जी के संरक्षण में चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों की भूरी भूरी प्रशंसा की।

तत्पश्चात स्वयंसेविका रिया एवं दिया बंसल ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के अनुभव साझा किए । इसके उपरान्त एन.एस.एस. के स्वयंसेवक व स्वयं

सेविकाओं ने रक्तदान पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। जिसके माध्यम से 'राष्ट्रीय सेवा योजना' से जुड़े छात्र छात्राओं में रक्तदान की इच्छा-शक्ति उत्पन्न करने का मंचन किया गया।

सात दिवसीय विशेष शिविर के विभिन्न दिनों में आयोजित की गई प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र मुख्य अतिथि द्वारा वितरित किए गए। एन.एस.एस. स्वयंसेविका नैंसी के द्वारा प्राचार्य महोदय को एक हस्त चित्र भेंट किया गया। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता जी ने सभी स्वयंसेवकों को व महाविद्यालय को शुभकामनाएं दी। अंत में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शोभना गोयल ने सभी का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में 150 विद्यार्थी और 50 शिक्षक उपस्थित रहे।